

दुनिया देखेगी...अंतरिक्ष के 'योद्धा' भारत को, विश्वभर के दिग्गज जुटेंगे हथियारों की मंडी में

दुनियाभर के दिग्गज जुटेंगे हथियारों की मंडी में एसेट को लेकर भारत की संभावनाएं बढ़ीं।

लखनऊ: डिफेंस एक्सपो-2020 में जमीन, पानी और हवा में मार करने वाले हथियार ही नहीं दिखेंगे। भविष्य के अंतरिक्ष युद्ध में कौन देश कितना कितना ताकतवर है..? इससे भी पर्दा उठेगा। होड़ में इस अत्याधुनिक तकनीक से लैस चुनिंदा चार देशों की कतार में खड़ा भारत भी शामिल होगा। मिशन शक्ति के तहत सेटेलाइट मार गिराने वाले डीआरडीओ के मिसाइल डिफेंस इंटरसेप्टर को पहली बार दुनिया देखेगी। अपने सबसे अचूक अस्त्र को उतारने के पीछे मंशा हथियारों के बाजार में गहरी पैठ बढ़ाना है।

पांच फरवरी से प्रस्तावित डिफेंस एक्सपो-2020 की तरीख जैसे-जैसे नजदीक आ रही है, लखनऊ में सजने वाली हथियारों की मंडी की पूरी तस्वीर साफ हो गई है। इस दौरान हथियार बनाने वाले अग्रणी देशों की तकनीकी ताकत के बीच भारत की कोशिश सबसे बड़ा आयातक नहीं, मेक इन इंडिया के तहत हथियारों का बड़ा निर्यातक बनने की है।



वैसे भी, अंतरिक्ष में युद्ध के कौशल की तरफ कदम बढ़ा चुके दुनिया के चुनिंदा देश अमेरिका, चीन, रूस के साथ भारत भी पहले ही खड़ा है। चूंकि, इन देशों में अकेला चीन ही एक्सपो में भाग नहीं ले रहा है। ऐसे में उसके हिस्से के बड़े बाजार पर भारत की नजर है। साथ ही दुनिया की सबसे तेज रफ्तार वाली सुपरसोनिक मिसाइल ब्रोस समेत अन्य देसी हथियारों को भी प्रमोट करने का इरादा है।

- विदेशी कंपनियां होंगी शामिल , सेटेलाइट मार गिराने वाला मिसाइल डिफेंस इंटरसेप्टर होगा खास
- देश भारत को मिलाकर ए सेट तकनीक से लैस, 2019 में भारत ने किया सफल परीक्षण
- रक्षा उत्पादन क्षेत्र की भारतीय कंपनियां लेंगी चार दिनों तक डिफेंस एक्सपो में हिस्सा
- में से 17 एएच-64 अपाचे हेलीकॉप्टर, 15 में से 10 सीएच-47 चिनूक हेलीकॉप्टर की आपूर्ति हो है चुकी
- बोइंग ने भारत को ट्रांसपोर्ट विमान 11 सी-17 ग्लोबमास्टर 3एस, आठ पी 81 दिए हैं
- 22 में से 17 एएच-64 अपाचे हेलीकॉप्टर, 15 में से 10 सीएच-47 चिनूक हेलीकॉप्टर की आपूर्ति हो चुकी है।
- अब बोइंग भारतीय वायुसेना के साथ इसकी प्रशिक्षण क्षमता को बढ़ावा देगा।
- डिफेंस एक्सपो में बोइंग भारत के एरोस्पेस एवं डिफेंस प्रणाली के विकास पर जोर रहेगा।

- स्पेसक्राफ्ट, लड़ाकू विमान, बैलेस्टिक मिसाइल समेत कई सैन्य हथियार बनाने वाली कंपनी लॉकहिड मार्टिन भी छाएगी।
- भारतीय बाजार के साथ दुनिया भर से आने वाले देशों के बीच पैठ बनाने की तैयारी में है।
- भारत के सहारे तलाशेंगे बाजार
- सेटेलाइट गिराने वाली मिसाइल ए-सेट

बोइंग नापेगा समुद्र

- तमाम कंपनियों के बीच एक्सपो में होगी बोइंग पर सबकी नजर
- दुनिया के जंबो जेट बनाने वाली कंपनी एफए-18 हॉर्नेट को पेश करेगी
- अमेरिकी नौसेना करती इन घातक लड़ाकू विमानों का इस्तेमाल

मेक इन इंडिया के ये हथियार भी होंगे खास

- एंटी सेटेलाइट मिसाइल, ब्रोस के अलावा दुनिया की नजरें डीआरडीओ के बनाए अन्य हथियारों पर भी होगी। रडार के क्षेत्र में इजराइल को भारत कड़ी प्रतिस्पर्धा देता दिखेगा। इसके के लिए इलेक्ट्रॉनिक्स ट्रांसपोर्टेबल रडार अश्विनी, मीडियम पावर रडार अरुध और मल्टी फंक्शनल रडार उतारे जाएंगे।
- पूरी तरह स्वदेशी आर्टिलरी गन धनुष को मार्केट में होवित्जर एम-777 के विकल्प के रूप में पेश किया जाएगा।
- 'अजरून टैंक की बाधाएं दूर करने के बाद इसकी आपूर्ति बढ़ाने की कोशिश रहेगी।
- 'बीईएमएल अपनी मीडियम बुलेट प्रूफ व्हीकल के लिए भी बाजार तलाशेगा'
- भारतीय आर्डिनेंस फैक्ट्री की माइन प्रोटेक्टेट व्हीकल भी दक्षिण अफ्रीका के उपकरणों को चुनौती देंगे।
- एक्सपो में विदेशी कंपनियों की मेक इन इंडिया की प्रतिबद्धता भी नजर आएगी।
- अमेरिका एम-777 होवित्जर आर्टिलरी गन को मेक इन इंडिया थीम पर प्रदर्शित करेगा।

भारत के बाजार पर फिदा बोइंग

एक्सपो पर बोइंग जैसी कंपनियों की भी नजर है। चिन्क के बाद बोइंग की कोशिश भारतीय नौसेना के लिए एफए-18 सुपर हॉर्नेट लड़ाकू विमान बेचने की है। इस विमान को अभी अमेरिकी नौसेना इस्तेमाल कर रही है। रूस की तीन कंपनियां भी विमानों को मार गिराने वाली आधुनिक गन लेकर आ रही है। थॉलेस के थल, जल और वायु सुरक्षा की श्रंखला होगी। मल्टी सेंसर इंटीग्रेटेड सिस्टम सात किलोमीटर के दायरे में उड़ रहे ड्रोन का पता लगाकर उसे नष्ट कर सकता है।

<https://www.jagran.com/uttar-pradesh/lucknow-city-the-giant-from-all-over-the-world-will-gather-in-the-arms-market-in-defence-expo-2020-jagran-special-19989757.html>



Sat, 01 Feb 2020

India continues to develop new K-5 submarine-launched ballistic missile SLBM

India is seeking to develop the K-5, a new submarine-launched ballistic missile (SLBM) in the K family after the test launch on January 19, 2020, of the K-4 intermediate-range submarine-launched ballistic missile

The K missiles is a family of submarine-launched ballistic missiles (SLBM) developed by India to boost its second strike capabilities and thus augment its nuclear deterrence.

The K-4 is an intermediate-range submarine-launched ballistic missile under development by DRDO. It is a 10 m long missile weighing 20 tones, capable of carrying a 2 tone payload up to a range of 3,500 km. INS Arihant, first of the Arihant Class Submarines, will be able to carry 4 K-4 missiles. The K-4 missile was successfully tested on 24 March 2014 from an underwater pontoon submerged 30 m deep. India successfully test fired the 3,500 km strike range nuclear-capable K-4 submarine-launched ballistic missile off the coast of Andhra Pradesh on 19 January 2020.



The K-5 missile is will being developed by Defence Research and Development Organisation (DRDO) for the Indian strategic forces' underwater platforms. It will arm the future variants of Arihant class submarines of the Indian Navy.

The new K-5 submarine-launched ballistic missile is expected to have a strike range of between 5,000 to 6,000 kilometers which will match the Agni V, India's current land-based intercontinental ballistic missile also developed by the Defence Research and Development Organization (DRDO) of India. The K-5 will reportedly be capable of carrying four MIRV (Multiple Independently targetable Reentry Vehicle) warheads of 500kgs each.

The K-5 missile will arm the future variants of Arihant class submarines of the Indian Navy. By successfully adding the K-5 missiles to its arsenal, India will show that it is armed with the ultimate nuclear triad, the capability of striking an enemy by air, land, or sea.

<https://www.navyrecognition.com/index.php/news/defence-news/2020/february/8002-india-continues-to-develop-new-k-5-submarine-launched-ballistic-missile-slbm.html>

Bio-digesters being installed in houseboats

Srinagar: Lakes and Waterways Development Authority (LAWDA) on Friday started the process of installing bio-digesters in households of the catchment area and some houseboats. The DRDO designed Bio-digester are being installed on pilot basis and their efficiency shall be under trial.

A team of scientists from DRDO are on a 3-day visit to ascertain the functioning of four bio-digesters which have been installed in the houseboats. The team from DRDO along with vice chairman, J&K LDA and engineers of LDA took an extensive visit of the areas including Dole Demb, Teilbal and interiors of Lake. The process of installation of Bio-digesters is being directly monitored by the Committee of Experts (CoE) constituted by High Court J&K.

<http://news.statetimes.in/bio-digesters-being-installed-in-houseboats/>